



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 186]
No. 186]

नई दिल्ली, बुधस्वविवार, अप्रैल 17, 2003/चैत्र 27, 1925
NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 17, 2003/CHAITRA 27, 1925

वित्त एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 2003

सं. 37/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (नै.टै.)

सा.का.नि. 339(अ).—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (उत्पाद शुल्क माल के विनिर्माण के लिए शुल्क की रियायती दर पर माल को हटाना) नियमावली, 2001 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों को केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (उत्पाद शुल्क माल के विनिर्माण हेतु शुल्क की रियायती दर पर माल को हटाना) (संशोधन) नियमावली, 2003 कहा जाए।

(2) यह नियमावली सरकारी राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से लागू होगी।

2. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (उत्पाद शुल्क माल के विनिर्माण हेतु शुल्क की रियायती दर पर माल को हटाना) नियमावली, 2001 में, नियम 6 में :—

(i) व्याख्या से पहले, निम्नलिखित परन्तुक अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“बशर्ते कि यदि विषयगत माल की प्राप्ति पर खराब अथवा क्षतिग्रस्त अथवा अनुपयुक्त अथवा विनिर्माता की आवश्यकता से अधिक पाया गया हो, तो वह विषयगत माल को माल के मूल विनिर्माता को वापस कर सकते हैं जिससे उसने यह माल प्राप्त किया है और ऐसे प्रत्येक वापस किए गए माल को विषयगत माल के विनिर्माता के गैर-शुल्क प्रदत्त स्टॉक में जोड़ा जाएगा और तदनुसार उस पर कार्रवाई की जाएगी”।

(ii) व्याख्या में, “प्राप्ति के स्थान से विनिर्माता के परिसरों तक बुलाई के दौरान” शब्दों के लिए “प्राप्ति के स्थान से विनिर्माता के परिसरों तक अथवा विनिर्माता के परिसरों से प्राप्ति के स्थान तक बुलाई के दौरान” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[फा. सं. 201/23/2001-के.उ.शु.-6]

विजय मोहन जैन, अवर सचिव

टिप्पण :—मूल नियम भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या 34/2001-के.उ.शु. (नै.टै.) दिनांक 21 जून, 2001 [सा.का.नि. 448(अ) दिनांक 21 जून, 2001] के तहत प्रकाशित किए गए थे।

MINISTRY OF FINANCE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th April, 2003

No. 37/2003-Central Excise (N. T.)

G.S.R. 339 (E).—In exercise of the powers conferred by Section 37 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Central Excise (Removal of Goods at Concessional Rate of Duty for Manufacture of Excisable Goods) Rules, 2001, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Excise (Removal of Goods at Concessional Rate of Duty for Manufacture of Excisable Goods) (Amendment) Rules, 2003.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Excise (Removal of Goods at Concessional Rate of Duty for Manufacture of Excisable Goods) Rules, 2001, in rule 6,—

(i) before the *Explanation*, the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided that if the subject goods on receipt are found to be defective or damaged or unsuitable or surplus to the needs of the manufacturer, he may return the subject goods to the original manufacturer of the goods from whom he had obtained these and every such returned goods shall be added to the non-duty paid stock of the manufacturer of the subject goods and dealt with accordingly.”;

(ii) in the *Explanation*, for the words “during transport from the place of procurement to the manufacturer’s premises”, the words “during transport from the place of procurement to the manufacturer’s premises or from the manufacturer’s premises to the place of procurement”, shall be substituted.

[F. No. 201/23/2001-CX. 6]

VIJAY MOHAN JAIN, Under Secy.

Note.—The principal rules were published in the Gazette of India vide notification No. 34/2001-CE (NT) dated the 21st June, 2001 [G.S.R. 448(E) dated the 21st June, 2001].